भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.12.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 57 का उत्तर

बहराइच-जरवल रोड नई रेललाइन

***57. डॉ. आनन्द कुमार गोंड:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बहराइच-जरवल रोड नई रेललाइन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है क्योंकि उक्त रेललाइन के लिए सर्वेक्षण कार्य पूरा हो गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उक्त परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को पूरा करने की समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार उक्त रेललाइन का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने का है, यदि हां, तो उक्त कार्य के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(घ) क्या सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में उक्त नई रेललाइन के निर्माण कार्य के लिए बजट आबंटित किया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उक्त रेललाइन के निर्माण कार्य हेतु बजट आबंटन के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 03.12.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 57 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): बहराइच और जरवल रोड पहले ही मौजूदा रेल नेटवर्क पर गोंडा जंक्शन के रास्ते जुड़े हुए हैं। संपर्कता को बेहतर बनाने के लिए, निम्नानुसार निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई है:

क्र. सं.	परियोजना	लंबाई (किलोमीटर में)
1	बुढ़वल-जरवल रोड-गोंडा कचहरी चौथी लाइन	56
2	बुढ़वल- जरवल रोड-गोंडा तीसरी लाइन	62
3	बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन	27
4	बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन	240

इसके अलावा, सीधी संपर्कता प्रदान करने के लिए, बहराइच-जरवल रोड नई रेल लाइन (70 कि.मी.) के निर्माण के लिए सर्वेक्षण को स्वीकृति दी गई। सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना को स्वीकृति देने के लिए राज्य सरकारों समेत विभिन्न हितधारकों से परामर्श करना और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय का मूल्यांकन आदि अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजना को स्वीकृति देना एक निरंतर चलने वाली और सतत प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

<u>उत्तर प्रदेश</u>

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	19,858 करोड़ रुपए(लगभग 18 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 किलोमीटर	199 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	5,272 किलोमीटर	479 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 62,360 करोड़ रुपए लागत पर 3,807 किलोमीटर कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (10 नई लाइन,

02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 1,323 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2025 तक 30,611 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। कार्य की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2025 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	10	1227	340	10517
आमान परिवर्तन	2	67	0	281
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	37	2513	983	19813
कुल	49	3807	1323	30611

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	डोमिनगढ़-गोरखपुर-कुसुम्ही - तीसरी लाइन और गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण (21 किलोमीटर)	508
2	बहराइच-नानपारा-नेपाल गंज आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	342
3	बलिया-गाजीपुर सिटी दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	650
4	गाज़ीपुर सिटी-तारीघाट नई लाइन (17 किलोमीटर)	1766
5	गोंडा-गोरखपुर लूप आमान परिवर्तन (260 किलोमीटर)	863
6	गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 किलोमीटर)	318
7	बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 किलोमीटर)	1700
8	कप्तानगंज-थावे-छपरा आमान परिवर्तन (234 किलोमीटर)	819
9	पीलीभीत-शाहजहांपुर आमान परिवर्तन (83 किलोमीटर)	589
10	इंदारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 किलोमीटर)	213
11	लखनऊ-पीलीभीत आमान परिवर्तन (263 किलोमीटर)	1634
12	भदोही-जंघई दोहरीकरण (31 किलोमीटर)	168
13	लहोटा-भदोही दोहरीकरण (39 किलोमीटर)	184
14	मेरठ-मुजफ्फरनगर दोहरीकरण (55 किलोमीटर)	430
15	फाफामऊ-प्रयागराज दोहरीकरण (14 किलोमीटर)	212
16	मुजफ्फरनगर-टपरी दोहरीकरण (52 किलोमीटर)	525
17	उतरेटिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 किलोमीटर)	662
18	रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 किलोमीटर)	668

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
19	आलमनगर-उतरेटिया दोहरीकरण (20 किलोमीटर)	358
20	भीमसेन-झांसी दोहरीकरण (206 किलोमीटर)	2620
21	इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 किलोमीटर)	313
22	मल्हौर-डालीगंज दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	183
23	रूमा चकेरी- चंदारी तीसरी लाइन (13 किलोमीटर)	177
24	बरेली-पीलीभीत-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 किलोमीटर)	313
25	रोसा-सीतापुर कैंट-बुढ़वल दोहरीकरण (181 किलोमीटर)	2094
26	जौनपुर-अकबरपुर (टांडा) दोहरीकरण (77 किलोमीटर)	676
27	रमना-रेणुकूट-सिंगरौली दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	2436
28	जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 किलोमीटर)	414
29	वाराणसी-माधोसिंह-प्रयागराज दोहरीकरण (120 किलोमीटर)	2018
30	करैला रोड- शक्तिनगर दोहरीकरण (32 किलोमीटर)	763
31	देवबंद (मुजफ्फरनगर)-रुड़की (27 किलोमीटर)	1289
32	आगरा-इटावा नई लाइन (110 किलोमीटर)	427

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन (27 किलोमीटर)	426
2	बुढ़वल- गोंडा कचहरी चौथी लाइन (56 किलोमीटर)	796
3	बुढ़वल-गोंडा तीसरी लाइन (62 किलोमीटर)	1118
4	बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन (240 किलोमीटर)	4940
5	कटरा और अयोध्या धाम दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	466
6	पंडित दीन दयाल उपाध्याय- प्रयागराज तीसरी लाइन (150 किलोमीटर)	2649
7	बिल्ली-चुनार दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1424
8	छपरा-बलिया दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	1046
9	ऊंचाहार-अमेठी नई लाइन (66 किलोमीटर)	1229
10	एटा-कासगंज नई लाइन (29 किलोमीटर)	389
11	फेफना-इंदारा, मऊ-शाहगंज दोहरीकरण (150 किलोमीटर)	1778
12	गोरखपुर- वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (96 किलोमीटर)	1121

13	वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय तीसरी और चौथी लाइन (15 किलोमीटर)	2464
14	झांसी-खैरार-मानिकपुर और खैरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 किलोमीटर)	4330
15	सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन (81 किलोमीटर)	1320

पिछले तीन वर्षों 2022-23, 2023-24, 2024-25 में और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 6,414 किलोमीटर कुल लंबाई को कवर करते हुए 119 सर्वेक्षण कार्य (33 नई लाइन, 84 दोहरीकरण और 02 आमान परिवर्तन) स्वीकृत किए गए हैं।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******